



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 13 मई, 1997/23 बैशाख, 1919

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग
विधायी (अंग्रेजी) शाखा

अधिसूचना

शिमला-२, 13 मई, 1997

संख्या एल० एल० आर०-डी०(६)-७/९७ लेज़ि. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद २०० के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए दिनांक 12 मई, 1997 को अनुमोदित हिमाचल प्रदेश

झूम्रपान प्रतिषेध और ग्रन्थब्रसेवी स्वास्थ्य संरक्षण विधेयक, 1997 (1997 का विधेयक संख्यांक 17) को 1997 के हिमाचल प्रदेश अधिनियम संख्यांक 17 के रूप में, संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अन्वेषकों के प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश के राजपत्र में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
सचिव (विधि),
हिमाचल प्रदेश सरकार।

X

1997 का अधिनियम संख्यांक 17.

हिमाचल प्रदेश धूम्रपान प्रतिवेद और अधूम्रसेवी स्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम, 1997

(राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 12 मई, 1997 को यथा प्रनुमोदित)

हिमाचल प्रदेश राज्य में सार्वजनिक कार्य या उपयोग के स्थानों और सार्वजनिक सेवा यानों में धूम्रपान प्रतिवेद करने के लिए तथा उसमें सम्बन्धित अन्य विषयों का उपबन्ध करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के अड़कालीनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विवान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश धूम्रपान प्रतिवेद और संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ ।
- (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश पर है ।

- (3) यह उस तारीख को प्रवृत्त होगा जो सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, नियत करे :

परन्तु इस अधिनियम के भिन्न-भिन्न उपबन्धों के लिए भिन्न-भिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और ऐसे किसी उपबन्ध में इस अधिनियम के प्रारम्भ के प्रति निर्देश का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस उपबन्ध के प्रवृत्त होने के प्रति निर्देश है ।

2. इस अधिनियम में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

परिभाषाएं ।

- (क) “विज्ञापन” से अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत कोई नोटिस, परिपत्र, दीवार पर चिपकाया कागज, पैम्फलिट, विज्ञापन पट्ट पर संप्रदर्शन या किसी प्रकाश, ध्वनि, धूआं, गैस के साधनों द्वारा किया गया कोई दृश्यमान रूपण अथवा कोई अन्य साधन जिसका धूम्रपान की अभिवृद्धि पर प्रभाव पड़ता हो, है और “विज्ञापन करना” पद का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा ;
- (ख) “प्राधिकृत अधिकारी” से धारा 4 के अधीन प्राधिकृत व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (ग) “राज्य” से हिमाचल प्रदेश राज्य अभिप्रेत है;
- (घ) “सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है;
- (इ) “सार्वजनिक कार्य या उपयोग का स्थान” से धारा 3 के अधीन इस रूप में घोषित स्थान अभिप्रेत है और श्रोताकक्ष, अस्पताल भवन, स्वास्थ्य संस्थाएं, भनोविनोद केन्द्र, लोक कार्यालय, न्यायालय भवन, जैक्षणिक संस्थाएं, पुस्तकालय इसके अन्तर्गत हैं, किन्तु इसके अन्तर्गत कोई खुला स्थान नहीं है;
- (च) “सार्वजनिक सेवा यान” से मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 2 के खण्ड (35) के अधीन यथापरिभाषित यान अभिप्रेत है; और

(७) “धूम्रपान” से तम्बाक का किसी रूप में चाहे सिगरेट, सिगार, बीड़ी या अन्यथा पाइप, लपटन या किसी अन्य उपकरण की सहायता से धूम्रपान करना अभिप्रत है।

सार्वजनिक कार्य या उपयोग के स्थानों को अधूम्रसेवी घोषित करना।

3. इस अधिनियम के प्रारम्भ के पश्चात् यथाशक्यशीघ्र और तत्पश्चात् समव्यवस्था पर, सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा राज्य में सार्वजनिक कार्य या उपयोग के किसी स्थान को इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए अवूम्रसेवी स्थान घोषित कर सकेगी।

इस अधिनियम के अधीन कार्य अधिकारियों को प्राधिकृत करने के लिए सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, एक या अधिक व्यक्तियों को प्राधिकृत कर सकेगी जो इस अधिनियम के अधीन कार्य करने के लिए सक्षम होंगे।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्राधिकृत प्रत्येक व्यक्ति भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 21 के अर्थ के अन्तर्गत लोक सेवक समझा जाएगा।

45. 1860 का

सार्वजनिक कार्य या उपयोग के स्थानों में धूम्रपान प्रतिबंध।

5. कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक कार्य या उपयोग के स्थान में धूम्रपान नहीं करेगा।

सार्वजनिक सेवा यानों में व्यक्ति सार्वजनिक सेवा यान में धूम्रपान प्रतिबंध।

6. मोटर यान अधिनियम, 1988 के उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, कोई

1988 का 59.

सिगरेट आदि के विज्ञापन पर प्रतिबंध।

7. तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में किसी बात के होते हुए भी, कोई व्यक्ति किसी स्थान और किसी सार्वजनिक सेवा यान में/पर विज्ञापन नहीं देगा जिससे धूम्रपान या सिगरेट और बीड़ी आदि के विक्रय को बढ़ावा मिले।

8. कोई व्यक्ति स्वयं या अपनी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा सिगरेट या बीड़ी या सावंजनिक कार्य या उपयोग के किसी स्थान पर धम्रपान के अन्य किसी पदार्थ का सावंजनिक कार्य या उपयोग के किसी स्थान पर विक्रय या वितरण या विक्रय हेतु भंडारण नहीं करेगा ।

9. सार्वजनिक कार्य या उपयोग के प्रत्येक स्थान के कामकाज का स्वामी या बोर्ड का प्रबन्धक अथवा भारसाधक, जनसाधारण द्वारा आने-जाने या उपयोग किए जाने वाले संप्रदर्शन परिसरों में और उसके बाहर, सहजदृश्य स्थान या स्थानों पर प्रमुख रूप से यह क्षतित और प्रदर्शन। करते हुए कि यह स्थान “धूम्रपान रहित क्षेत्र” और कि “धूम्रपान एक अपशाप्त है”, एक बोर्ड संप्रदर्शित और प्रदर्शित करें।

10. कोई व्यक्ति जो—

शास्त्रियां ।

(i) धारा 5, 6 या 9 के उपबन्धों का उल्लंघन करेगा, वह जुर्माने से, जो एक सौ रुपये तक का हो सकेगा, दण्डनीय होगा और द्वितीय या पश्चात्वर्ती अपराध की दशा में, दो सौ रुपये के न्यूनतम जुर्माने से, किन्तु जो पांच सौ रुपये तक का हो सकेगा, दण्डनीय होगा ;

(ii) धारा 7 या 8 के उपबन्धों का उल्लंघन करेगा, वह जर्माने से, जो पांच सौ रुपये तक का हो सकेगा, दण्डनीय होगा और द्वितीय या पश्चात्वर्ती अपराध की दशा में, कारावास से जो तीन मास तक का हो सकेगा, या पांच सौ रुपये के न्यूनतम जुर्माने से, किन्तु जो एक हजार रुपए तक का हो सकेगा या दोनों से, दण्डनीय होगा ।

11. कोई प्राधिकृत अधिकारी या कोई पुलिस अधिकारी, जो उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो, किसी व्यक्ति को जो इस अधिनियम के उपबंधों का उल्लंघन करता है, सार्वजनिक कार्य या उपयोग के स्थान से वाहर कर सकेगा ।

इस अधि नयम के अतिक्रामकों को सार्वजनिक कार्यया उपयोग के स्थान से बाहर कर देना।

12. (1) न्यायिक मैजिस्ट्रेट के न्यायालय से भिन्न कोई न्यायालय, इस अधिनियम के अधीन अपराधों का संज्ञान और विचारण नहीं करेगा।

इस अधिनियम
के अधीन अप-
राधों का विचा-
रण करने तथा
अपराधों का
संज्ञान करने के
लिए सक्षम
न्यायालय ।

(2) कोई भी न्यायालय, इस अधिनियम के अधीन, धारा 5, 6 और 9 के अधीन अपराधों की बाबत प्राधिकृत अधिकारी की लिखित शिकायत करने पर और धारा 7 और 8 के अधीन अपराधों की बाबत पुलिस अधिकारी, जो उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो, को लिखित रिपोर्ट करने के मिवाय, सज्जान न करेगा ।

कुछ अपराधों का संज्ञेय के अधीन अपराध संज्ञेय और जमानतीय होंगे ।
ग्रांर जमान-
तीय होना ।

इस अधिनियम के अधीन सभी अपराधों का दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के 1974 का 2
के अधीन सभी अधीन संक्षिप्त विचारण के लिए उपबन्धित रीति में संक्षिप्त विचारण किया जाएगा ।
अपराधों का
संक्षिप्त विचा-
रण किया
जाना ।

प्रत्यायोजन की शक्ति । 15. सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, निदेश दे सकेगी कि इस अधिनियम के
शर्तों के अधीन इसके द्वारा प्रयोक्तव्य कोई शक्ति, उसमें धर्मावधित ऐसे अधिकारी द्वारा ऐसी
शर्तों के अध्याधीन, यदि कोई हों, जो इसमें विनियोग की जाएं, प्रयोग की जा सकेगी ।

अपराधों का शमन । 16. सरकार या इस द्वारा इस निमित्त साधारण या विशेष आदेश द्वारा प्राधिकृत कोई
व्यक्ति, इस अधिनियम द्वारा या के अधीन दण्डनीय बनाए गए किन्हीं अपराधों का,
कार्यवाहियां संस्थित की जाने से पूर्व या पश्चात् शमन कर सकेगा ।

निरसन और व्यावृत्तियां । 17. (1) हिमाचल प्रदेश धूम्रपान प्रतिषेध (प्रदर्शन गृह) अधिनियम, 1968 1969 का 4
एतद्वारा निरसित किया जाता है ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अधिनियम के अधीन की गई कोई बात
या कार्रवाई इस अधिनियम के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी ।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Act No. 17 of 1997.

**THE HIMACHAL PRADESH PROHIBITION OF SMOKING AND
NON-SMOKERS HEALTH PROTECTION ACT, 1997**

(As Assented to by the Governor on 12th May, 1997)

AN

ACT

to provide for prohibiting of smoking in places of public work or use and in public service vehicles in the State of Himachal Pradesh and to make provision for other matters connected therewith.

Be it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Forty-eighth Year of the Republic of India, as follows:—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Prohibition of Smoking and Non-Smokers Health Protection Act, 1997.

Short title,
extent and
commencement.

(2) It extends to the whole of the Himachal Pradesh.

(3) It shall come into force on such date as the Government may, by Notification in the Official Gazette, appoint ;

Provided that different dates may be appointed for different provisions of this Act and any reference in any such provision to the commencement of this Act shall be construed as a reference to the coming into force of that provision.

2. In this Act, unless the context otherwise require,—

Definitions.

(a) "advertisement" means and includes any notice, circular, wall paper, pamphlet, display on hoardings, or any visible representation made by means of any light, sound, smoke, gas or any other means which has the effect on promoting smoking and the expression 'advertise' shall be construed accordingly ;

(b) "authorised officer" means a person authorised under section 4 ;

(c) "State" means the State of Himachal Pradesh ;

(d) "Government" means the Government of Himachal Pradesh ;

(e) "place of public work or use" means a place declared as such under section 3 and includes auditoria, hospital buildings, health institutions, amusement centres, public offices, court buildings, educational institutions, libraries, but does not include any open place ;

(f) "public service vehicle" means a vehicle as defined under clause (35) of section 2 of Motor Vehicles Act, 1988; and

59 of 1988.

(g) "smoking" means smoking of tobacco in any form whether in the form of cigarette, cigar, beedies or otherwise with the aid of a pipe, wrapper or any other instruments.

Declaration
of non-smo-
king places
of public
work or
use.

3. As soon as may be after the commencement of this Act and thereafter from time to time, the Government may, by notification in the Official Gazette, declare any place of public work or use in the State to be a non-smoking place for the purpose of this Act.

Power of
Govern-
ment to
authorise
officers to
act under
this Act.

4. (1) The Government may, by notification in the Official Gazette, authorise one or more persons who shall be competent to act under this Act.

(2) Every person authorised under sub-section (1) shall be deemed to be a "public servant" within the meaning of section 21 of the Indian Penal Code, 1860.

45 of 1860.

Prohibition
of smoking
in places of
public work
or use.

5. No person shall smoke in any place of public work or use.

Prohibition
of smoking
in public
service
vehicles.

6. Without prejudice to the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988, no person shall smoke in a public service vehicle.

59 of 1988.

Prohibition
on adver-
tisement of
cigarettes
etc.

7. Notwithstanding anything contained in any other law for the time being in force, no person shall advertise in any place and any public service vehicle which may promote smoking, or the sale of cigarettes, beedies etc.

Prohibition
of sale and
distribution
or storage
for sale of
cigarettes,
etc. in the
place of
public work
or use.

8. No person shall, himself or by any person on his behalf, sell or distribute or store for sale of cigarettes or beedies or any other smoking substance within the place of public work or use.

{ }

Display and
exhibition
of board.

9. The owner or manager or incharge of affairs of every place of public work or use shall display and exhibit, a board at a conspicuous place or places in and outside the premises visited or used by general public prominently stating that the place is a "No Smoking Zone" and that "Smoking is an offence".

10. Any person, who contravenes the provisions of—

Penalties.

(i) sections 5, 6 or 9 shall be punishable with fine which may extend to one hundred rupees and in case of second or subsequent offence, shall be punishable with a minimum fine of two hundred rupees, but which may extend to five hundred rupees;

(ii) sections 7 or 8 shall be punishable with fine which may extend to five hundred rupees and in case of second or subsequent offence, shall be punishable with imprisonment which may extend to three months or with a minimum fine of five hundred rupees, but which may extend to one thousand rupees or with both.

11. Any authorised officer or any police officer, not below the rank of Sub-Inspector, may eject any person from the place of public work or use who contravenes the provisions of this Act.

Ejection of violators of this Act from the place of public work or use.

12. (1) No court other than the court of a Judicial Magistrate shall take cognizance of, and try an offence under this Act.

Court competent to try offences under this Act and take cognizance of offences.

(2) No court shall take cognizance of any offence under this Act except on a complaint in writing of an authorised officer with respect to offences under sections 5, 6 and 9 and on a report in writing of a police officer, not below the rank of Sub-Inspector, with respect to the offences under sections 7 and 8.

2 of 1974.

13. Notwithstanding anything contained in the Code of Criminal Procedure, 1973, offences under sections 7 and 8 shall be cognizable and bailable.

Certain offences to be cognizable and bailable.

2 of 1974.

14. All offences under this Act shall be tried summarily in the manner provided for summary trial under the Code of Criminal Procedure, 1973.

All offences under the Act to be tried summarily.

15. The Government may, by notification in the Official Gazette, direct that any power exercisable by it under this Act, may also be exercised by such officer as may be mentioned therein, subject to such conditions, if any, as may be specified therein.

Power to delegate.

16. The Government or any person authorised by it by general or special order in this behalf, may either before or after the institution of the proceedings, compound any offence made punishable by or under this Act.

Composition of offences.

4 of 1969.

17. (1) The Himachal Pradesh Prohibition of Smoking (Show Houses) Act, 1968 is hereby repealed.

Repeal and savings.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the said Act shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Act.